

प्राकृतिक संसाधन

प्राकृतिक संसाधन वे संसाधन हैं जो मानव जाति के कार्यों के बिना मौजूद हैं। दूसरे शब्दों में वो प्राकृतिक पदार्थ, जो अपने अपेक्षाकृत मूल प्राकृतिक रूप में मूल्यवान माने जाते हैं, उन्हें प्राकृतिक संसाधन कहते हैं। इन सभी मूल्यवान संसाधनों के विशेषताओं में चुम्बकीय, गुरुत्वीय, विद्युतीय गुण या बल आदि शामिल हैं। पृथ्वी में सूर्य के प्रकाश, वायुमंडल, जल, थल (सभी खनिजों सहित) के साथ साथ सारे सब्जियों, फसल और पशुओं के जीवन से प्राकृतिक रूप से प्राप्त पदार्थ आदि प्राकृतिक संसाधनों के सूची में शामिल हैं। एक प्राकृतिक संसाधन का मूल्य इस बात पर निर्भर करता है कि कितना पदार्थ उपलब्ध है और उसकी माँग कितनी है।

इन्हें भी पढ़ें: [भारत में संसाधन नियोजन क्या है?](#)

संसाधन एक ऐसी प्राकृतिक और मानवीय सम्पदा है, जिसका उपयोग हम अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति में करते हैं। दूसरे शब्दों में मानवीय-जीवन की प्रगति, विकास तथा अस्तित्व संसाधनों पर निर्भर करता है। प्रत्येक प्राकृतिक संसाधन मानव-जीवन के लिये उपयोगी है, किंतु उसका उपयोग उपयुक्त तकनीकी विकास द्वारा ही संभव है। भूमि, सूर्यातप, पवन, जल, वन एवं वन्य प्राणी मानव-जीवन की उत्पत्ति से पूर्व विद्यमान थे। इनका क्रमिक विकास तकनीकी के विकास के साथ ही हुआ। इस प्रकार मनुष्य ने अपनी आवश्यकतानुसार संसाधनों का विकास कर लिया है। स्पष्ट है कि पृथ्वी पर विद्यमान तत्वों को, जो मानव द्वारा ग्रहण किये जाने योग्य हो, संसाधन कहते हैं। जिम्मरमैन ने लिखा है कि, संसाधन का अर्थ किसी उद्देश्य की प्राप्ति करना है, यह उद्देश्य व्यक्तिगत आवश्यकताओं तथा समाजिक लक्ष्यों की स्तुति करना है। इस पृथ्वी पर कोई भी वस्तु संसाधन की श्रेणी में तभी आती है जब वह निम्नलिखित दशाओं में खरी उतरती है-

- (1) वस्तु का उपयोग संभव हो।
- (2) इसका रूपान्तरण अधिक मूल्यवान तथा उपयोगी वस्तु के रूप में किया जा सके।
- (3) जिसमें निश्चित उद्देश्यों की पूर्ति की क्षमता हो।
- (4) इन वस्तुओं के दोहन की योग्यता रखने वाला मानव संसाधन उपलब्ध हो।
- (5) संसाधनों के रूप में पोषणीय विकास करने के लिये आवश्यक पूँजी हो।

इन्हें भी पढ़ें: [संसाधन के रूप में लोग-](#)

संसाधन शब्द अंग्रेजी भाषा के 'Resource' शब्द का पर्याय है जो दो शब्दों Re तथा source से मिलकर बना है जिनका आशय क्रमशः Re = दीर्घ अवधि या पुनः तथा source = साधन या उपाय है। अर्थात् प्रकृति में उपलब्ध वे साधन जिन पर कोई जैविक समुदाय दीर्घ अवधि तक निर्भर रह सके तथा पुनः पूर्ति-या पुनर्निर्माण की क्षमता हो। उदाहरण के लिये प्रकृति में वायु तथा सूर्य का प्रकाश दीर्घ अवधि तक मिलते रहेंगे जबकि वनस्पति को पुनः उत्पादित किया जा सकता है। स्पष्ट है संसाधन प्रकृति में पाया जाने वाला ऐसा पदार्थ, गुण या तत्व होता है जो मानवीय आवश्यकताओं की पूर्ति करने की क्षमता रखता हो। संसाधन

दृष्टिगत व अदृश्य दोनों रूपों में पाये जाते हैं। दृश्यमान संसाधनों में जल, भूमि, खनिज, वनस्पति आदि प्रमुख हैं। मानव जीवन, उसका स्वास्थ्य, इच्छा, ज्ञान, सामाजिक सामंजस्य, आर्थिक उन्नति आदि महत्वपूर्ण अदृश्य संसाधन हैं।

इन्हें भी पढ़ें: [प्राकृतिक संसाधनों का प्रबंधन](#)

प्राकृतिक संसाधन क्या है विस्तार से समझाइए?

प्राकृतिक संसाधन वे संसाधन हैं जो मानव जाति के कार्यों के बिना मौजूद हैं। दूसरे शब्दों में वो प्राकृतिक पदार्थ, जो अपने अपेक्षाकृत मूल प्राकृतिक रूप में मूल्यवान माने जाते हैं, उन्हें प्राकृतिक संसाधन कहते हैं। इन सभी मूल्यवान संसाधनों के विशेषताओं में चुम्बकीय, गुरुत्वीय, विद्युतीय गुण या बल आदि शामिल हैं।

प्राकृतिक संसाधन दो प्रकार के होते हैं :

1. नवीकरणीय प्राकृतिक संसाधन
2. अनवीकरणीय प्राकृतिक संसाधन

इन्हें भी पढ़ें: [प्राकृतिक संसाधन-](#)

प्राकृतिक संसाधनों की आवश्यकता एवं लाभ

★ जिन देशों के पास प्राकृतिक संसाधनों की मात्रा जितनी अधिक होती है विश्व में उनकी स्थिति उतनी ही मजबूत होती है।

★ विकसित राष्ट्र एवं एक शक्तिशाली राष्ट्र बनने हेतु इन संसाधनों की बेहद अहम् भूमिका होती है। यह राष्ट्र की विकास दर एवं सकल घरेलू उत्पाद को बढ़ाने का कार्य करता है।

★ विश्व की बढ़ती जनसंख्या को ध्यान में रखते हुए यह आवश्यक है, की इन संसाधनों को जितना हो सकते उतना अधिक संरक्षित किया जाए। जिससे आने वाले लंबे समय तक इसका प्रयोग किया जा सके।

★ यह सभी संसाधन मानव जाति के विकास एवं उद्धार हेतु अति आवश्यक हैं। मानव जीवन के शुलभ जीवन यापन करने हेतु प्राकृतिक संसाधनों की महत्ता कई ज्यादा है।

प्राकृतिक संसाधन के विभिन्न उपयोग

इन्हें भी पढ़ें: [वन एवं वन्य जीव संसाधन-](#)

हालांकि प्राकृतिक संसाधन पृथ्वी पर मनुष्य और अन्य जीवित प्राणियों की मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने तथा विभिन्न चीजों को प्राप्त करने का एक आधार हैं। ये चीजें मनुष्य के जीवन को सरल तथा आरामदायक बनाती हैं आज, मनुष्य इनमें से अधिकांश के बिना अपने जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकता। चलिए देखते हैं प्राकृतिक संसाधनों के विभिन्न उपयोग के तरीके:

- **सूरज की रोशनी:-** इसका उपयोग सौर ऊर्जा उत्पन्न करने के लिए किया जाता है जिससे विभिन्न उपकरणों के प्रयोग में मदद मिलती है। सनलाइट प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया को भी सक्षम बनाता है।
- **वायु:-** वायु का उपयोग वायु ऊर्जा उत्पन्न करने के लिए किया जाता है। इसका उपयोग विभिन्न उद्देश्यों जैसे अनाज पीसने और पानी को पंप करने के लिए किया जाता है।
- **पानी:-** पानी का उपयोग हाइड्रोइलेक्ट्रिक ऊर्जा उत्पन्न करने तथा सफाई और खाना पकाने जैसे अनेक कार्यों के लिए किया जाता है।
- **खनिज:-** खनिज का उपयोग कई वस्तुओं को उत्पन्न करने के लिए किया जाता है जैसे तार, एल्यूमीनियम के डिब्बे और ऑटोमोबाइल के कुछ हिस्से, जो विभिन्न प्रकार के खनिज पदार्थ हैं जिनका उपयोग हम हमारे दैनिक जीवन में करते हैं तथा सोने और चांदी जैसे खनिज पदार्थ जो आभूषण तैयार करने के लिए उपयोग में लाए जाते हैं।
- **प्राकृतिक गैसों:-** इनका उपयोग बिजली उत्पन्न करने के लिए किया जाता है। साथ ही साथ रसोईघर में हीटिंग के लिए भी किया जाता है।
- **कोयला:-** यह एक प्राकृतिक संसाधन है जिसका उपयोग बिजली उत्पन्न करने के उद्देश्य से किया जाता है।
- **पौधे:-** पौधे लकड़ी, फल और सब्जियों जैसे कई प्राकृतिक संसाधन प्रदान करते हैं। फल और सब्जियां जो प्राणियों को जीवित रखने के लिए अति आवश्यक होती हैं वहीं लकड़ियों का इस्तेमाल फर्नीचर, कागज और अन्य उत्पादों के निर्माण के लिए किया जाता है।
- **पशु:-** पशु भी कई प्राकृतिक संसाधन प्रदान करते हैं जैसे- दूध, जो दही, पनीर, मक्खन और कई अन्य डेयरी उत्पादों का उत्पादन करने के लिए प्रयोग किया जाता है। पशु फर और उनकी त्वचा का उपयोग विभिन्न कपड़ों के {सामान} और आवश्यकता की अन्य चीजों के निर्माण में प्रयोग किया जाता है। ऊनी स्वेटर और टोपी, चमड़े के बेल्ट और बैग, रेशमी

साड़ियां और बिस्तरों के चादर आदि जैसे अनेक चीजें जो जानवरों से प्राप्त प्राकृतिक संसाधनों के बने होते हैं।

The logo for FryStudy.com features the word "Fry" in pink, "Study" in blue, and ".Com" in yellow. An open book icon is positioned above the letter 'y' in "Fry".